21

लालची बंदर

पाठ परिचय – प्रस्तुत बाल-कविता कवि श्री हरिवंश राय बच्चन द्वारा रचित है। इस कविता के द्वारा कवि हमें यह शिक्षा देना चाहते हैं कि 'लालच सदा दुष्परिणाम' का कारण होता है। हमें कभी भी लालच नहीं करना चाहिए। जिस प्रकार एक लालची बंदर अपनी भूख मिटाने के लिए एक घर में रखे भुने चने से भरे घड़े को देखता है, लालच के कारण वह अपने दोनों हाथ घड़े में डाल कर मुट्ठियाँ चने से भर लेता है जिस कारण उसके दोनों हाथ फंस जाते हैं और वह घड़े से हाथ नहीं निकाल पाता और घर का मालिक डंडा लेकर पहुँच जाता है। यदि वह लालच न करता तो मुट्ठियों से चने छोड़कर हाथ निकाल सकता था परन्तु लालच करने के कारण पकड़ा जाता है।

1. व्याकरणिक परिचय–

(क) दिए गए शब्दों के वर्ण अलग करके लिखिए–

बंदर – ब् + अं + द् + अ + र् + अ

लालची – ....

घड़ा – ....

लेकिन – ....

मालिक – ....

(ख) दिए गए शब्दों के तुक मिलाकर लिखिए–

भूखा-सूखा – .... डंडा – ....

छोटे – .... मालिक – ....

पाया – ....

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) बंदर क्या कर रहा था?

....

(ख) उसने सूने घर में क्या देखा?

....

(ग) घड़ा कैसे चनों से भरा था?

....

(घ) बंदर ने चने देखकर क्या किया?

....

(ङ) क्या लालच अच्छी बात है? इससे क्या हानि होती है?

....

3. दिए गए वाक्यों में सही (✓) या (✗) का निशान लगाइए-

(क) मोटा बंदर खाना ढूँढ़ रहा था। ☐

(ख) उसे सूने घर में घड़ा दिखाई दिया। ☐

(ग) घड़े में दही रखा था। ☐

(घ) बंदर ने घड़े में मुँह डाल दिया। ☐

(ङ) बंदर ने लालच के कारण दंड पाया। ☐

4. आओ सीखें-

(क) संज्ञा - किसी व्यक्ति, वस्तु व स्थान के नाम को संज्ञा कहते हैं जैसे-

व्यक्ति - राम, लड़का, आदमी, कुत्ता आदि।

वस्तु - कलम, बरतन आदि।

स्थान - शहर, नगर आदि।

(ख) दिए गए वाक्यों से संज्ञा शब्द ढूँढ़ कर रिक्त स्थान पर लिखिए-

1. एक बन्दर घूम रहा था। ....
2. उसने एक घड़ा देखा। ....
3. घड़ा घर के कोने में था। ....
4. घड़े में चने भरे थे। ....
5. उसने घड़े में अपने हाथ डाले। ....

5. रचनात्मक गतिविधि-

(क) दिए गए चित्र में रंग भरिए।

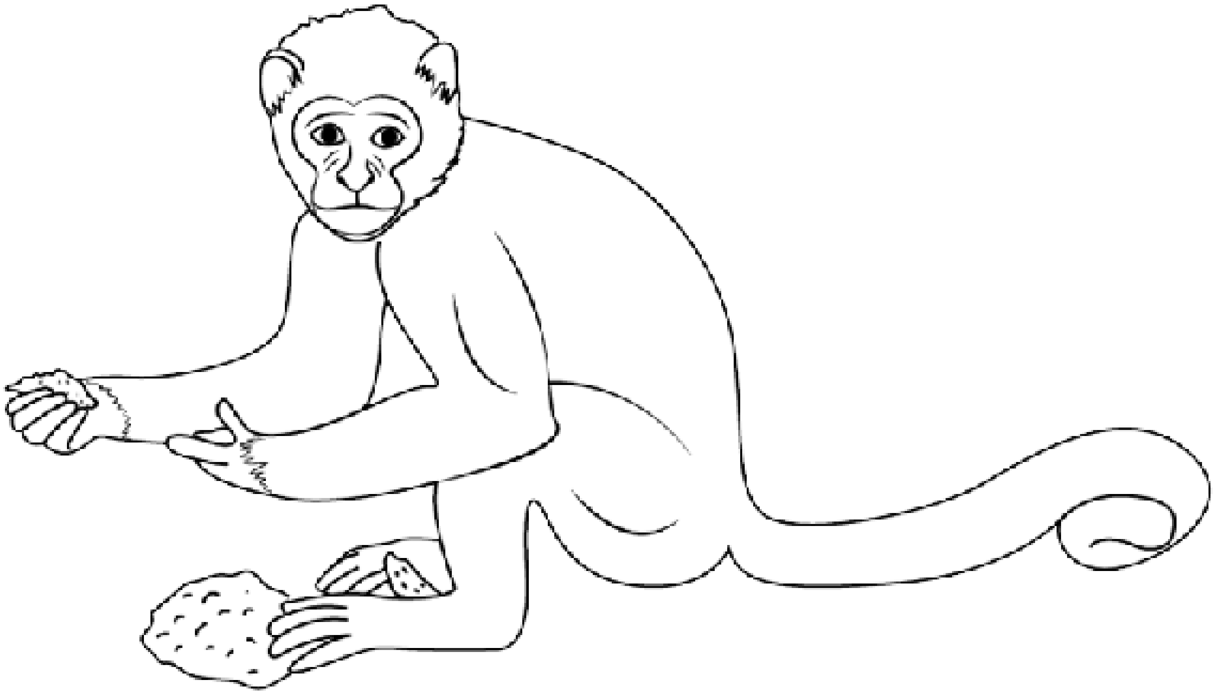

(ख) 'लालच अवगुण है' विषय पर पाँच वाक्य लिखिए।

....

....

....

....

....